

विभिन्न राज्यों के कपास किसानो से बातचीत की विवरणी। TOP 5
NEWS
OF THE
WEEK

GOLD: 58792 SILVER: 71333

CRUD OIL:6069

सौराष्ट्र किसान यूनिटी लीडर दिलीप सिखया जी की एसआईएस से खास बातचीत।

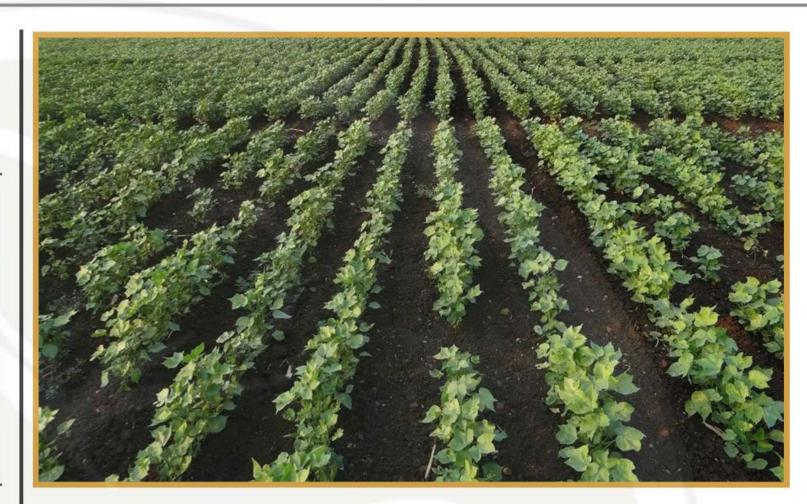


दिलीप सखिया सौराष्ट्र किसान यूनिटी लीडर,कपास किसान राजकोट, गुजरात

उन्होंने बताया मेरे पिताजी एक किसान है और बचपन से ही उनके साथ ही खेतो में खेती की है। दिलीप जी सालो तक किसानी कर चुके है इसलिए एक किसान को खेती करने में क्या क्या समस्या आती है वह वो बहखूबी जानते है। पिछले कुछ सालो से दिलीप जी (जय गिरनारी चैरिटबल ट्रस्ट) से जुड़े हुए है सौराष्ट्र पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण बारिश का 90% पानी समुद्र में चला जाता है। बारिश के पानी को रोककर डेम बनाना और सुधारना, छोटे, बड़े तालाब बनाना जिससे पानी का संग्रह कर सके ये काम करती है अभी तक पुरे सौराष्ट्र में 100 से भी ज्यादा तालाब बना चुके है। एक किसान को खेती करने के लिए पानी पर्याप्त माला में मिलाना चाहिए। पानी के बाद बिजली समयानुसार मिलनी चाहिए सबसे महत्त्व की मुद्दा तो यह है की किसानो को उस फसल की कीमत मिलनी चाहिए। सौराष्ट्र की जमीन खेती के लिए उपयोगी है जिसमे पुरे साल में 3 सीजन अलग अलग फसल की जाती है।दिलीप जी अपने खेत में हर साल 10 से 15 एकड़ में कपास की बिजाई तो करते ही है। पर एकड़ 5 से 7 क्विण्टल कपास निकलता है। सौराष्ट्र के कपास की बिजाई कुछ क्षेत्र में हो चुकी है और कुछ क्षेत्र में बरसाती सीजन में कर रहे है।

MSP एक महत्वपूर्ण मुद्दा है।

MSP बढ़ना किसानो के लिए अच्छी बात है। सरकार द्वारा MSP बढ़ने पे ख़ुशी जाहिर की है जिससे किसानो को राहत मिलेगी क्योंकि फर्टिलाइज़र, सीड, खाध, पेट्रोल, डीज़ल, मजदूरी ये सबके भाव तेजी से बढ़ रहे है, ऐसे में किसानो की लागत भी बढ़ी है। MSP बढ़ाने से इस लागत को बेलैंस करने में किसानो को मदद होगी।



बीज खेती के लिए दिल का काम करता है।

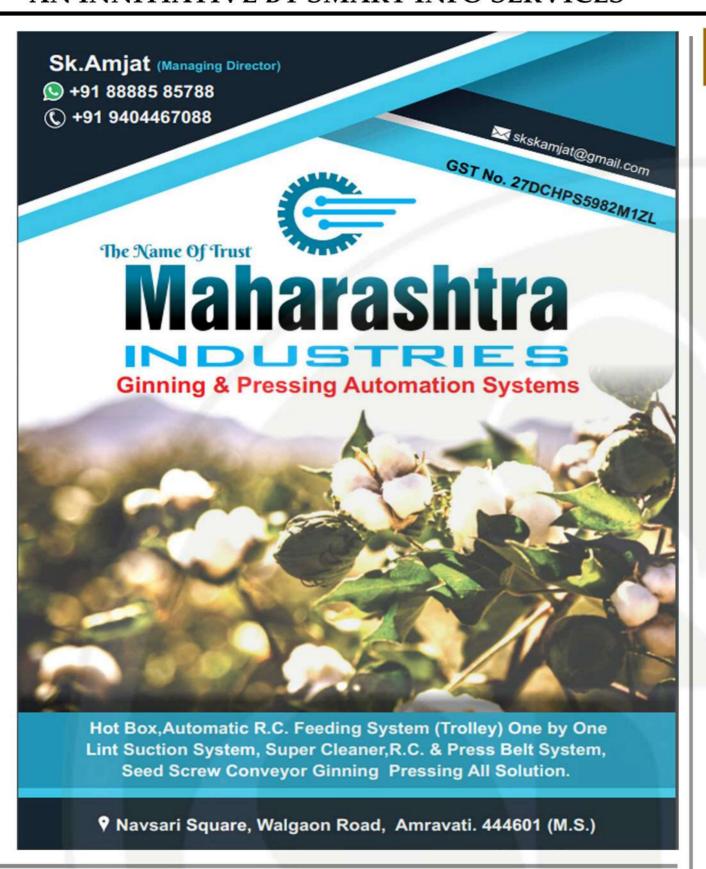
भारत देश खेतीप्रधान देश है। देश का बड़ा हिस्सा खेती से जुड़ा हुआ है। हर सीजन में अलग फसल की जाती है जिसमे बीज खेती के लिए दिल का काम करता है। अगर बीज सही और अच्छा है तो फसल अच्छी होती है। और अगर बीज सही नहीं है तो फसल को नुकसान होता है जिसमे पौधों में कई बीमारिया भी लग जाती है और परिणाम रूप फसल अच्छी नहीं होती है। कपास किसान को भी इस मुश्किलिओ से गुजरना पड़ा है पर किसान को जब फसल बड़ी होती है तभी पता चल सकता है की वो बीज सही था की नहीं जिसकी वजह से किसानो को पूरा साल महेनत के बाद भी उपज और लागत नहीं मिल पाती।

कपास फसल की समस्या के लिए सुझाव।

1 कपास की खेती के लिए मिल रहा पानी सही समय से और सही मात्रा में मिलाना चाहिए। जिससे हम कम पानी मिले तो भी अपनी फसल को बचा सके।

2 कपास की फसल काटने लिए मशीनरी का सशोधन करना चाहिए। मजदूरी बढ़ रही है जिससे उसकी लागत भी बढ़ जाती है।

3 किटनाशक दवाईया जो पौधे को स्वस्थ रखता है उसको समयनुसार छिड़काव करना चाहिए जो किसान (आर्गेनिक) जैविक खेती करना चाहते है उनके लिए बताया की कुदरती पेस्टीसाइज़ बनाना चाहिए जिसमे (धतूरा, निम के पत्ते, लसुन ,अदरक, मदार, प्याज, मिर्च पेस्ट, सीताफल, गावती चाय आदि वास्तु मिलाकर पौधे पर छिड़काव करना चाहिए जिससे पौधे को बीमारियों से दुर रखा जा सके।



शेयर मार्केट निवेशकों के लिए मिला-जुला रहा यह सप्ताह

जुलाई से 30 जुलाई 2023 के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज 03 की शेयर वेल्यू पर आधारित खबर

शेयर मार्केट में टेक्सटाइल सेगमेंट के लिए यह सप्ताह उतार- चढ़ाव रहा. इस बिच कुछ कंपनीज के शेयर का मार्केट बढ़ा जबिक कुछ मार्केट कैप पिछले सप्ताह की तुलना में निचे गिर गया. आइए जानते है बीएसेई के मंच पर प्रमुख कंपनी की कैसे रही .परफॉमेंस।

A HAND THE PARTY OF							
कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल -1.38%			
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	361.95	376.15	361				
अरविद लिमिटेड	138.15	141.95 133.85		1.99%			
वेलसपन इंडिया	95.23	98.91	92.34	3.13%			
नितिन स्पिनर्स	264.2	275	259.8	-1.78%			
रेमण्ड	1746.3	1787.35	1688.05	2.72%			
अक्षिता कॉटन	26.01	27.14	25.9	-0.23%			

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL	11107	7771	-
CALL: 9			
	CHART 08	.07.2023	3
ICE COTTON			
MONTH	30.06.23	7.07.23	WEEKLY CHANG
DEC	80.37	81.17	0.80
MARCH	80.25	80.98	0.73
MAY	80.34	81.04	0.70
MCX (COTTON)		2 1	
AUG	57260	56700	-560.00
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1497	1478	-19.00
NCDEY (COCHD KHAI)		- 1	
NCDEX (COCUD KHAL)	2540		404.00
JULY	2518	2397	-121.00
AUG	2543	2433	-110.00
CURRENCY (\$)	1 1		A I
INDIAN (Rupee)	82.04	82.74	0.70
PAK (Pakistani Rupee)	286.495	277.905	-8.59
CNY (Chinese yuan)	7.25355	7.22112	-0.03
BRAZIL (Real)	4.78973	4.87098	0.08
AUSTRALIAN Dollar	1.50091	1.49705	0.00
MALAYSIAN RINGGITS	4.66747	4.66969	0.00
COTI COV !! A!! INIDEV	20.0	00.05	1.05
COTLOOK "A" INDEX	88.9	90.85	1.95
BRAZIL COTTON INDEX	74.85	76.03	1.18
USDA SPOT RATE	76.12	75.92	-0.20
MCX SPOT RATE	55660	55960	300.00
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17500	16700	-800.00
GOLD (\$)	1927.8	1930.5	2.70
SILVER (\$)	22.755	23.29	0.54
CRUDE (\$)	70.45	73.71	3.26

जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में कॉटन के इंटरनेशल मार्केट में उछाल नजर आया। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के दिसंबर 23, मार्च 24 और मई 24 माह के लिए कॉटन के भाव 0.80, 0.73 और 0.70 सेंट तक बड़े।

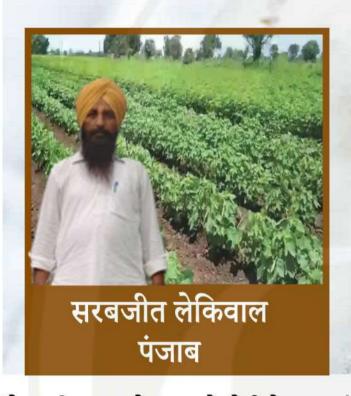
भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर कॉटन के दाम में गिरावट देखी गई। अगस्त माह के सौदा भाव में 500 रूपए प्रति कैंडी गिर कर 56,700 रूपए पहुंचे।

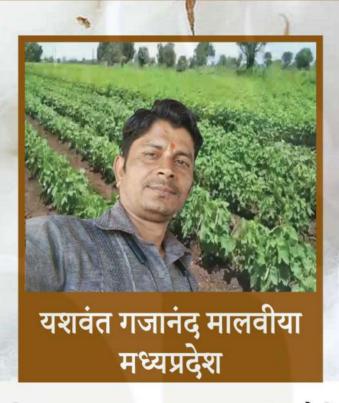
एनसीडीएक्स पर कपास के भाव भी इस बार 19 रूपए प्रति 20 किलो तक की गिरावट देखी गई वही खल के भाव में जुलाई और अगस्त माह के लिए क्रमशः 121 और 110 रूपए प्रति क्विंटल की गिरावट हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स पर 1.95 अंक की बढ़त आयी, ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 1.18 की बढ़त वही एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 300 अंक की बढ़त दर्ज की गई है। इसके साथ यूएसडीए स्पॉट रेट पर 0.20 की गिरावट देखने को मिली है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताहअंत तक 800 रुपए तक भाव गिरे।

विभिन्न राज्यों के कपास किसानो से बातचीत की विवरणी।

भारत में कपास को "सफेद सोना" कहा जाता है क्योंकि यह कपड़ा क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है - कपास इस क्षेत्र में एक प्रमुख कच्चा माल है। जलवायु परिस्थितियों ने कपास की फसल को अनुकूल बनाया है।अभी तक देश में कपास की बुआई 40 से 45 % तक हो चुकी है। बुआई के लिए सीड,बारिश, फ़र्टिलाइज़र,अन्य कारणों से कपास की फसल पर असर पड़ता है। इसकी जानकारी के लिए हमने अलग अलग राज्यों के कपास किसानो से बातचीत की।









"मेरा परिवार लम्बे समय से खेती के काम से जुड़ा हुआ है इस साल 10 एकड़ में कपास की बुआई की है। बारिश, अनुकूल वातावरण, पौधे की बीमारिया ये भी कपास कितना निकलेगा इस पर निर्भर करता है। सब कुछ सही रहा तो 1 एकड़ में 6 से 8 क्विण्टल कपास निकलता है। अभी तक 45% से 60% की बिजाई हो गई है।

सीड में पहले जो बीटी कॉटन सीड आते थे उससे के कपास की उत्पादकता बहुत अच्छी हुई थी। पर इस साल अभी तक कपास का पौधा अच्छा दिख रहा है। भारी बारिश कपास के लिए अच्छी नहीं है थोड़ी थोड़ी बारिश होती है वो कपास के लिए अच्छी होती है।

कपास की कीमत इस साल कम मिली है जो लगभग रुपये 7000 पर क्विण्टल है। अगले सीजन में ये कीमत रुपये 10000 क्विण्टल तक मिलनी चाहिए ऐसी आशा करता हु।" यह जानकारी पंजाब के मुक्तसर से सरबजीत लेकिवाल कपास किसान ने दी है। "मेरा नाम यशवंत गजानंद मालवीया है में सनावद स्टेशन के सुलगाँव, मध्यप्रदेश से हु। हमारा परिवार 15 से 20 सालो से कपास की खेती कर रहा है। यहाँ 70% से 80% कपास की बिजाई हो गई है.इस साल हमने 20 से 25 एकड़ में कपास की बुआई की है। अगर सब कुछ सही रहा तो 1 एकड़ में 5 से 7 क्विण्टल कपास निकलेगा। बारिश की बात करे तो अभी तक कपास की खेती के लिए जो बारिश होनी चाहिए उतनी यहाँ बारिश नहीं हुई है। पर हमारे क्षेत्र में नर्मदा का पानी पर्याप्त मात्रा में मिल जाता है तो ऐसी कोई परेशानी नहीं होती है।

कपास के लिए दिए गए सीड असली है या नकली इसका जवाब देते हुए मालवीय जी ने कहा की सीड नकली होता है पौधा बनता ही नहीं और सीड असली है या नकली ये जब कपास का पौधा बड़ा होगा कपास आएगा तब ही जान सकते है ये असली है या नकली। अभी कपास के पौधे 15 इंच से 20 इंच तक पौधे बड़े हो चुके है। कपास बाजार में अक्टूबर की श्रुरुवात में आ सकती है।" महाराष्ट्र के धुले जिले में राजेंद्र बालचंद्र जी ने बताया की वो 20 साल से कपास की खेती कर रहे है। इस साल 30 एकड़ में कपास की बुआई की है। अभी तक बारिश ठीकठाक हो चुकी है।

बीज के लिए बताया की जिस कंपनी का बीज हर साल मिलता था वो इस साल नहीं मिल पाया उसका वैकल्पिक बीज से बुआई की है। कपास के पौधे में अभी तक कोई समस्या दिखी नहीं है। अगर सब सही रहा तो एक एकड़ में 7 से 8 क़्वींटल कपास निकल जायेगा।

राजेंद्र जी ने बताया की सबसे बड़ी समस्या उनके वहा रासायनिक खाद्य की है। जो खाद्य रुपये 1000 से 1200 तक की बेग (50 केजी)मिलती थी अब वो 1500 से 1600 तक मिलती है जिससे लागत बढ़ गई है पर उसके सामने उपज की कीमत नहीं मिल रही। इस साल सही कीमत मिले ऐसी आशा करता हु।



"मेरा नाम जलपेश वल्लभभाई पाडलिया है. में मनावदार तालुका में जूनागढ़ गुजरात से हु। हमारा परिवार 20 साल से कपास की खेती करता है। 90% कपास की बिजाई हो गई है। इस साल हमने 5 से 7 एकड़ में कपास की बुआई की है। अगर सब कुछ सही रहा तो हमारे वहा 1 एकड़ में 6.5 क्विण्टल कपास निकलेगा। अभी यहाँ कपास के पौधे के लिए जूनागढ़ जिले में बारिश ज्यादा है वो अच्छा नहीं है।

सीड के लिए बताया के नकली सीड जैसा यहाँ कुछ नहीं है अगर सीड नकली होता है तो वो उत्पादन नही देगा। बाकि 70% कुदरत 30% महेनत पे निर्भय करता है। अभी तक कपास के पौधे 10 इंच से 12 इंच तक बड़े हो चुके है। कपास बाजार में अक्टूबर की शुरआत में आ सकती है।"

> सीजन (2023-24) "एक एकड़ में 5 से 8 क्विंटल कपास आने की उम्मीद"



भारत का कपास निर्यात 19 साल के निचले स्तर पर, उत्पादन और उपज में गिरावट

कपास संकट से भारत को दोहरा झटका लगने का खतरा मंडरा रहा है। देश का कपास उत्पादन - जो अब तक दुनिया में सबसे बड़ा है - 2022-23 में 14 वर्षों में सबसे कम हो जाएगा, क्योंकि कपास उत्पादक राज्यों में पैदावार गिर गई है।

"तिमलनाडु के कपास किसानों द्वारा मूल्य समर्थन उपायों की मांग"
तिमलनाडु में कपास किसान, विशेष रूप से डेल्टा क्षेत्रों में, गिर्मयों की फसल की कटाई कर रहे हैं और उन्हें कीमतें पिछले साल की तुलना में लगभग 50% कम और कई जगहों पर एमएसपी से भी कम मिल रही हैं।

कपास में तेजी आई क्योंकि हरियाणा में दो दशकों में कपास की सबसे कम पैदावार दर्ज की गई है

कल कपास 1.93% बढ़कर 57100 पर बंद हुआ, क्योंकि हरियाणा ने 2022-23 में दो दशकों में सबसे कम कपास की पैदावार दर्ज की है, भले ही राज्य लगभग पूरी तरह से आनुवंशिक रूप से संशोधित बीटी कपास में परिवर्तित हो गया है, जिसे उत्तर भारत में कीट-प्रतिरोधी के रूप में पेश किया गया था। 2005-06 में उपज बढ़ाने वाली किस्म।

वेलस्पन इंडिया में 2026 तक घरेलू कारोबार में दोगुनी वृद्धि देखने को मिलेगी होम टेक्सटाइल्स में एक वैश्विक नेता और 2.3 अरब डॉलर के वेलस्पन समूह का हिस्सा, भारत में मांग में वृद्धि के कारण अपने घरेलू कारोबार में पिछले साल के लगभग 650 करोड़ रुपये से दो गुना बढ़कर 2026 तक लगभग 2,200 करोड़ रुपये होने की उम्मीद कर रहा है। बाज़ार और बेहतर प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्था।

रे देरी से हुई बारिश से खरीफ की बुआई पर लगभग 30% असर पड़ा मानसून की बारिश की उचित शुरुआत और प्रसार में निरंतर देरी के कारण वनकलम (खरीफ) फसल के मौसम की बुआई और रोपाई के कार्यों पर लगभग 30% का अंसर पड़ा है, क्योंकि राज्य की औसत वर्षा की कमी 52% और जिला-वार औसत के साथ बहुत अधिक बनी हुई है। घाटा 78% तक जा रहा है।

कॉटन फिजिकल मार्केट जुलाई माह के पहले सप्ताह में गिरावट देखी गई।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए गिरावट वाला रहा। नार्थ, सेंट्ल और साउथ तीनों ही झोन में कॉटन के भाव में कही गिरावट तो कही बढ़त देखी गई। नार्थ झोन पंजाब और हरयाणा में स्थिरता दिखी राजस्थान में 25 रुपए पर मंड गिरा मार्किट।

वही सेंट्रल झोन के महाराष्ट्र राज्य में सबसे ज्यादा 1,200 रूपए प्रति कैंडी की गिरावट देखने को मिली। जबकि गुजरात और मध्य प्रदेश में क्रमशः 800 से 1,000 रूपए प्रति कैंडी तक कॉटन के दाम घटे।

साउथ झोन में कही बढ़त तो कही गिरावट का रूख दिखा। सबसे ज्यादा आंध्रप्रदेश और कर्नाटक में क्रमशः 700 और 500 रूपए प्रति कैंडी तक की गिरावट आई है जबकि ओडिशा में 100 रुपय मार्किट गिरा, तेलंगाना में 500 रूपए प्रति कैंडी तक कॉटन के दाम बढ़े।



SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

			1		DA	TE: 08.07.2023
	WEEKLY COTTO	ON BA	ALES	MARK	ET	
		03.07.23		08.07.23		AVED A CE PRICE
STATE	STAPLE LENGTH	LOW	HIGH	LOW	HIGH	AVERAGE PRICE
	NOF	RTH ZO	NE	1		
PUNJAB	28.5	5,825	5,925	5,825	5,925	0
HARYANA	27.5/28	5,575	5,675	5,575	5,675	0
UPER RAJASTHAN	28	5,925	6,050	5,925	6,025	-25
	CENT	RAL Z	ONE			
GUJARAT	29	56,200	56,500	55,200	55,700	-800
MADHYA PRADESH	29	56,000	56,500	55,000	55,500	-1,000
MAHARASHTRA	29 vid.	55,700	56,700	55,000	55,500	-1,200
1.7	SMART INFO SER	VICES CA	LL: 9111	9 77775		/
	SOL	JTH ZO	NE			
ODISHA	29.5	58,000	58,100	57,800	58,000	-100
KARNATAKA	29.5/30 mm	55,500	56,000	55,000	55,500	-500
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	57,000	57,000	55,800	56,300	-700
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	56,000	56,500	56,500	57,000	500



Details of interaction with cotton farmers of different states.

TOP 5
NEWS
OF THE
WEEK

GOLD:58792 SILVER:71333 CRUD OIL:6069

Special conversation of Saurashtra Kisan Unity leader Dilip Sakhia ji with SIS.



Dilip Sakhia
Saurashtra Kisan
Unity Leader
cotton farmer
Rajkot, Gujarat

He told that my father is a farmer and has cultivated the fields with him since childhood. Dilip ji has done farming for years, so he knows very well what problems a farmer faces in farming. For the last few years Dilip ji is associated with (Jai Girnari Charitable Trust) Due to Saurashtra being a hilly region, 90% of the rain water goes into the sea. Making and improving dams by stopping rain water, making small and big ponds so that water can be stored, this works, so far more than 100 ponds have been made in entire Saurashtra. A farmer should mix water in sufficient quantity to do farming. After water, electricity should be available on time, the most important issue is that the farmers should get the price of that crop. Saurashtra's land is useful for agriculture, in which 3 different crops are grown throughout the year. Dilip ji does sow cotton in 10 to 15 acres of his field every year. On an acre, 5 to 7 quintals of cotton emerges. Saurashtra's cotton has been sown in some areas and is being done in some areas during the rainy season.

MSP is an important issue

Increasing MSP is a good thing for the farmers. The government has expressed happiness over the increase in MSP, which will provide relief to the farmers because the prices of fertilizers, seeds, food grains, petrol, diesel, wages are increasing rapidly, in such a way the cost of the farmers has also increased. Increasing MSP will help farmers to balance .this cost



The seed acts as the heart for cultivation.

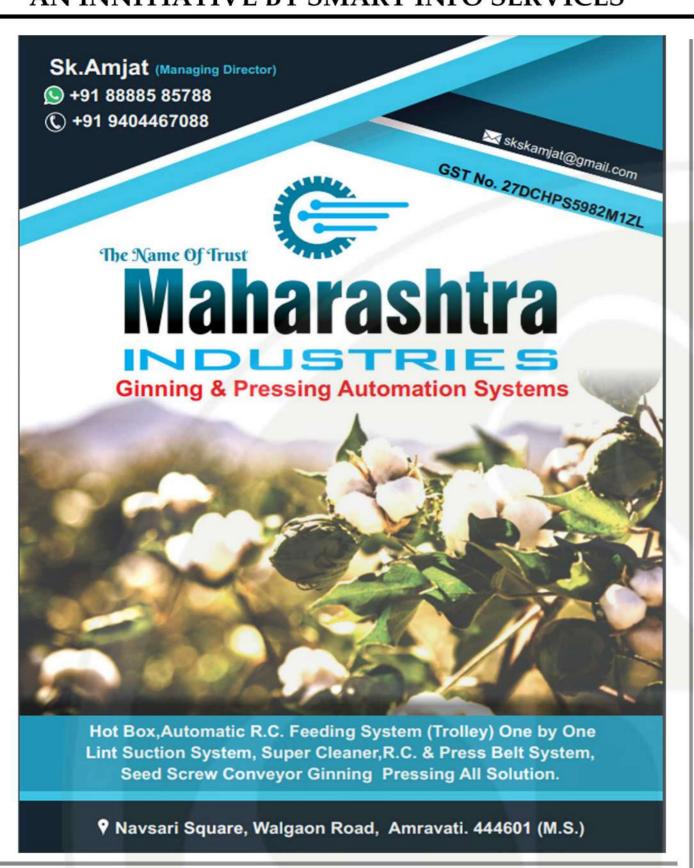
India is an agricultural country. A major part of the country is associated with agriculture. In every season a different crop is grown in which the seed acts as the heart of cultivation. If the seed is right and good then the crop is good. And if the seed is not correct, then the crop is damaged, in which many diseases also occur in the plants and as a result the crop is not good. The cotton farmer has also had to go through this difficulty, but only when the crop grows, the farmer can come to know whether the seed was right or not, because of which the farmers do not get the yield and cost even after working for the whole year.

Suggestions for the problem of cotton crop.

1 The water available for cotton cultivation should be mixed at the right time and in the right quantity. So that even if we get less water, we can save our crop.

Machinery should be modified to cut the cotton crop. Wages are increasing due to which its cost also increases.

3 insecticides which keep the plant healthy should be sprinkled on time. For those farmers who want to do organic farming, they were told that natural paste should be made in which (Dhatura, Neem leaves, Garlic, Ginger, Madar, Onion, Chili paste Mixing Vaastu, Sitaphal, Gavati tea etc. should be sprinkled on the plant so that the plant can be kept away from diseases.



It was a mixed week for stock market investors

News based on share value of major textile companies from 03 July to 30 July 2023

This week was volatile for the textile segment in the stock market. Meanwhile, the share market of some companies increased while the market cap of some fell down as compared to last week. Let's know how the major company's performance was on the platform of BSE.

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOW PRICE	-1.38% 1.99%	
VARDHMAN TEXTILE LIMITED	361.95	376.15	361		
ARVIND LIMITED	138.15	141.95	133.85		
WELSPUN INDIA	95.23	98.91	92.34	3.13%	
NITIN SPINNERS	264.2	275	259.8	-1.78%	
RAYMOND	1746.3	1787.35	1688.05	2.72%	
AXITA COTTON	26.01	27.14	25.9	-0.23%	

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART	INFO S	ERVICE	S
CALL: 9	11197	7771	_ 5
WEEKLY (
ICE COTTON	CHARIU	.07.2023	
MONTH	30.06.23	7.07.23	WEEKLY CHANGI
DEC	80.37	81.17	0.80
MARCH	80.25	80.98	0.73
MAY	80.34	81.04	0.70
MAGY (COTTON)			
MCX (COTTON)			
AUG	57260	56700	-560.00
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1497	1478	-19.00
NCDEX (COCUD KHAL)		-	
JULY	2518	2397	-121.00
AUG	2543	2433	-110.00
CURRENCY (\$)		e li li li	
INDIAN (Rupee)	82.04	82.74	0.70
PAK (Pakistani Rupee)	286.495	277.905	-8.59
CNY (Chinese yuan)	7.25355	7.22112	-0.03
BRAZIL (Real)	4.78973	4.87098	0.08
AUSTRALIAN Dollar	1.50091	1.49705	0.00
MALAYSIAN RINGGITS	4.66747	4.66969	0.00
	100		
COTLOOK "A" INDEX	88.9	90.85	1.95
BRAZIL COTTON INDEX	74.85	76.03	1.18
USDA SPOT RATE	76.12	75.92	-0.20
MCX SPOT RATE	55660	55960	300.00
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17500	16700	-800.00
GOLD (\$)	1927.8	1930.5	2.70
SILVER (\$)	22.755	23.29	0.54
CRUDE (\$)	70.45	73.71	3.26

In the first week of July, there was a boom in the international cotton market. Cotton prices for the months of December 23, March 24 and May 24 at the International Cotton Exchange rose by 0.80, 0.73 and 0.70 cents.

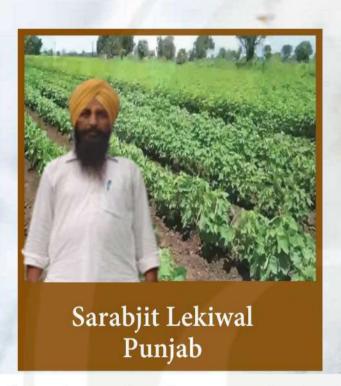
Cotton prices fell on the Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. In August, the bargain price fell by Rs. 500 per candy to reach Rs. 56,700.

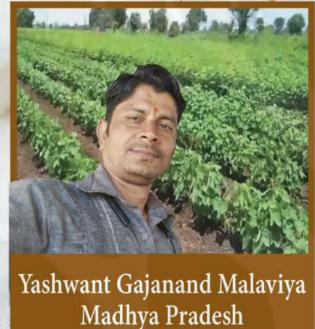
On NCDX, cotton prices also declined by Rs. 19 per 20 kg this time, while the prices of khal fell by Rs. 121 and Rs. 110 per quintal for the months of July and August, respectively.

Looking at the exchange market of other countries, the Cotlook "A" index gained 1.95 points, the Brazilian Cotton index gained 1.18 points, while the MCX spot rate gained 300 points. With this, there has been a fall of 0.20 on the USDA spot rate. At the KCA spot rate of Pakistan, prices fell by Rs 800 by the end of the week.

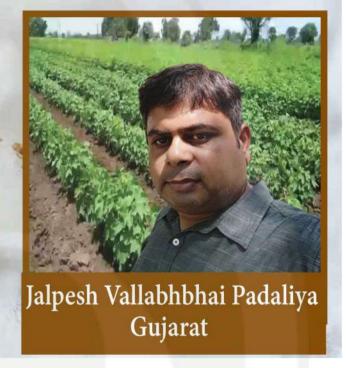
Details of interaction with cotton farmers of different states.

Cotton is called "white gold" in India because of its importance to the textile sectors – cotton is a major raw material in this sector. The climatic conditions have made cotton crop favorable. So far, 40 to 45% of cotton sowing has been done in the country. Seed for sowing, rain, fertilizer, other factors affect the cotton crop. For this information, we talked to cotton farmers of different states.









"My family has been involved in farming for a long time and this year we have sown cotton in 10 acres. It depends on rains, favorable climate, plant diseases, how much cotton is produced. If everything goes well, 1 acre 6 to 8 quintals of cotton is produced in 1. So far 45% to 60% sowing has been done.

The yield of cotton from the Bt cotton seeds that used to come in the seed earlier was very good. But so far this year the cotton plant is looking good. Heavy rain is not good for cotton, little rain is good for cotton.

The price of cotton has been found low this year which is around Rs 7000 per quintal. I hope this price should be up to Rs 10,000 a quintal in the next season." This information was given by Sarabjit Lekiwal, a cotton farmer from Muktsar, Punjab.

"My name is Yashwant Gajanand Malaviya, I am from Sulgaon, Sanawad station, Madhya Pradesh. Our family is doing cotton cultivation since 15 to 20 years. Here 70% to 80% cotton is sown. This year we have planted 20 to 25 Cotton is sown in acres. If everything goes well, 5 to 7 quintals of cotton will be produced in 1 acre. If we talk about rain, so far it has not rained as much as it should for cotton cultivation. But in our area If Narmada water is available in sufficient quantity, then there is no such problem.

Responding to whether the seed given for cotton is real or fake, Malviya ji said that the seed is fake, the plant does not grow and the seed is real or fake, when the cotton plant grows, the cotton will come only then you can know that it is real. or fake. Now the cotton plants have grown from 15 inches to 20 inches. Cotton may hit the market in early October."

In Dhule district of Maharashtra, Rajendra Balachandra told that he has been cultivating cotton for 20 years. This year cotton has been sown in 30 acres. So far it has rained well.

For seeds, told that the company whose seeds were available every year could not get it this year, it has been sown with alternative seeds. So far no problem has been observed in the cotton plant. If all goes well, 7 to 8 quintals of cotton will be produced in one acre.

Rajendra ji told that the biggest problem is that of chemical food there. The food which used to be available for Rs 1000 to 1200 a bag (50 kg) is now available for Rs 1500 to 1600, due to which the cost has increased but the price of the produce is not available in front of it. I hope to get the right price this year.

1.500

"My name is Jalpesh Vallabhbhai Padaliya. I am from Junagadh Gujarat in Manavdar taluka. Our family is doing cotton farming since 20 years. 90% cotton is sown. This year we have sown cotton in 5 to 7 acres If everything goes well, we will get 6.5 quintals of cotton in 1 acre.At present here in Junagadh district, there is excess rainfall for the cotton plant, it is not good.

Told for the seed that there is nothing like fake seed here, if the seed is fake then it will not produce. The rest 70% depends on nature and 30% on labour. So far the cotton plants have grown from 10 inches to 12 inches. Cotton may hit the market in early October."

Season (2023-24) "5 to 8 quintals of cotton expected in one acre"



India's cotton exports at 19-year low, decline in production and yield

The cotton crisis is threatening a double whammy for India. The country's cotton output - by far the largest in the world - will fall to its lowest in 14 years in 2022-23, as yields in cotton-growing states have fallen.

'Tamil Nadu cotton farmers demand price support measures"

Cotton farmers in Tamil Nadu, especially in the delta regions, are harvesting the summer crop and are getting prices nearly 50% lower than last year, and in many places even less than the MSP.

Cotton gains momentum as Haryana records lowest cotton yield in two decades

Cotton yesterday closed 1.93% higher at 57100 as Haryana records lowest cotton yield in two decades in 2022-23 even as the state has almost completely converted to genetically modified Bt cotton, which is being sold in North Was introduced in India as an insect-repellent. Yield enhancing variety in 2005-06.

Welspun India to see 2-fold growth in domestic business by 2026

A global leader in home textiles and part of the \$2.3 billion Welspun Group, is expecting its home textile business to double from around Rs 650 crore last year to around Rs 2,200 crore by 2026 due to increased demand in India. markets and a better performing economy.

Delayed rains affected nearly 30% of Kharif sowing

Persistent delay in proper onset and spread of monsoon rains has affected the sowing and transplanting operations of Vanakalam (Kharif) crop season by about 30% as the state average rainfall deficiency is 52% and district-wise average is less than 50%. Too much remains together. The losses are going up to 78%.

The cotton physical market witnessed a decline in the first week of July.

This week turned out to be a bearish one for the cotton physical market. In all the three zones North, Central and South, there was some fall in cotton prices and some rise was seen. Stability was seen in North Zone, Punjab and Haryana. Market fell to Rs.25 in Rajasthan.

The state of Maharashtra in the central zone saw the maximum fall of Rs 1,200 per candy. While cotton prices declined by Rs 800 to Rs 1,000 per candy in Gujarat and Madhya Pradesh respectively.

In the south zone, there was an increase and somewhere there was a decline. Andhra Pradesh and Karnataka fell the most by Rs 700 and Rs 500 per candy respectively, while in Odisha the market fell by Rs 100, in Telangana cotton prices increased by Rs 500 per candy.



SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com Call: 91119 77771 - 5

		1	1-		DA	TE: 08.07.2023
16	WEEKLY COTT	ON B	ALES	MARK	(ET	
CTATE	CTABLE LENGTH	03.07.23		08.07.23		N
STATE	STAPLE LENGTH	LOW	HIGH	LOW	HIGH	AVERAGE PRICE
7.4	NO	RTH ZC	NE			
PUNJAB	28.5	5,825	5,925	5,825	5,925	0
HARYANA	27.5/28	5,575	5,675	5,575	5,675	0
UPER RAJASTHAN	28	5,925	6,050	5,925	6,025	-25
	CENT	TRAL Z	ONE			
GUJARAT	29	56,200	56,500	55,200	55,700	-800
MADHYA PRADESH	29	56,000	56,500	55,000	55,500	-1,000
MAHARASHTRA	29 vid.	55,700	56,700	55,000	55,500	-1,200
	SMART INFO SER	VICES CA	LL: 9111	9 77775	1	/
	SOL	JTH ZO	NE			
ODISHA	29.5	58,000	58,100	57,800	58,000	-100
KARNATAKA	29.5/30 mm	55,500	56,000	55,000	55,500	-500
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	57,000	57,000	55,800	56,300	-700
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	56,000	56,500	56,500	57,000	500
NOTE: There may be s	some changes in the rate	dependi	ing on the	e quality.		
Punjab, Haryana and F	Rajasthan rates in maund	the rest	in Candy			